प्राक्कथन

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी(रा.ले.सां.) का यह अंक 1999-2000 से 2004-05 तक के राष्ट्रीय/देशीय उत्पाद, राष्ट्र के समेकित लेखों, निजी अंतिम उपभोग व्यय, बचत, पूंजी निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र संव्यवहारों के अनुमान प्रस्तुत करता है । जहां कहीं संभव है, 2005-06 के त्वरित अनुमान सुसंगत विवरणियों में दिए गए हैं । रा.ले.सां. में परिलक्षित अर्थव्यवस्था की एक झलक देते हुए, एक संक्षिप्त विश्लेषणात्मक आलेख भी इस प्रकाशन में शामिल किया गया है ।

2. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन में अपनाये गए स्रोत एवं पद्धतियां "राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी : स्रोत एवं पद्धतियां, 2007" नामक प्रकाशन में दी गई हैं जिसे के.सां.सं. ने मार्च, 2007 के दौरान जारी किया था । प्रयोक्ता इस प्रकाशन को मंत्रालय की वेबसाइट, http://www.mospi.gov.in/mospi_cso_rept_pubn.htm से डाउनलोड कर सकते हैं ।

3. जनवरी, 2006 में आधार वर्ष 1999-2000 सहित राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई श्रृंखला को शुरू करने के बाद यह आवश्यक हो गया है कि संपूर्णता और तुलनीयता की दृष्टि से 1950-51 से 1998-99 तक की अवधि के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी में पिछली श्रृंखला अनुमानों को जारी किया जाए । इस संबंध में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय सहर्ष यह सूचित करता है कि के.सां.सं. "राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी : पिछली श्रृंखला, 1950-51 से 1998-99 तक" संबंधी प्रकाशन के माध्यम से पिछली श्रृंखला अनुमानों को अधिक से अधिक मई, 2007 तक जारी कर देगा । इस प्रकाशन के जारी होने पर इस प्रकाशन को भी उपरोक्त वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है ।

4. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन के लिए अपेक्षित आंकड़े उपलब्ध कराने में हम केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों, विभागीय और गैर-विभागीय वाणिज्यिक उपक्रमों, भारतीय रिजर्व बैंक और सभी राज्य/संघ शासित सरकारों के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालयों को उनके सहयोग हेतु आभार प्रकट करते हैं । हम इस प्रकाशन में शामिल सूचना और आंकड़ों के प्रस्तुतीकरण और/या कवरेज में सुधार के लिए प्रयोक्ताओं के सुझावों का स्वागत करते हैं ।

5. मैं, श्री रमेश कोल्लि, अपर महानिदेशक के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के अंतर्गत इस प्रकाशन को प्रकाशित करने में राष्ट्रीय लेखा प्रभाग(रा.ले.प्र.), के.सां.सं. के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की भी सराहना करना चाहूंगा । सामग्री के संपादन और मिलान कार्य में श्री एस.के.गुप्ता और श्री एस.के.मित्तल, सहायक निदेशक, रा.ले.प्र., के.सां.सं. का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है ।

प्रणव सेन
भारत के मुख्य सांख्यिकीविद्
राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग

नई दिल्ली
अप्रैल, 2007